गडकरी ने श्रीकृष्ण से की योगी की तुलना, बोले-दुष्टों का कर रहे हैं नाश

केंद्रीय मंत्री ने कानून-व्यवस्था और विकास के संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर प्रशंसा की

दिग्विजय नाथ पार्क में राष्ट्रीय राजमार्ग की परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह और उनको संबोधित करते सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी। संवाद

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री योगी की तुलना भगवान श्रीकृष्ण से करते हुए कहा कि वह दुष्टों का नाश कर रहे हैं और सज्जनों की रक्षा कर रहे हैं।

सोमवार को आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपनी पत्नी से संवाद के एक प्रसंग के जरिए कानून व्यवस्था एवं विकास के संबंध में मुख्यमंत्री योगी की जमकर प्रशंसा की।

योगी की तुलना भगवान श्रीकृष्ण से करते हुए कहा कि जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भागवत गीता में कहा है कि जब-जब दुष्ट प्रवृत्ति वाले लोगों, समाज के लिए घातक लोगों और अन्यायी व अत्याचारी लोगों का प्रभाव बढ़ता है, तो लोगों की रक्षा के लिए मैं अवतार लेता हूं। उसी प्रकार उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी ने सज्जनों की रक्षा के लिए दुर्जनों के खिलाफ कठोर कदम उठाए हैं।

किसानों को अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बनाएंगे : केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए अन्नदाता के साथ उन्हें ऊर्जादाता भी बनाएंगे। एथेनॉल उत्पादन के प्रोत्साहन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसान के बेटे एथेनॉल पंप से रोजगार की नई गाथा लिखेंगे। इससे काफी बचत होगी, क्योंकि एथेनॉल की लागत पेट्रोल से आधी होगी। उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन, एथेनॉल से चलने वाले तथा इलेक्ट्रिक व्हीकल के साथ यूपी में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि इससे बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा। ऑटोमोबाइल सेक्टर सर्वाधिक जीएसटी देने वाला सेक्टर भी है।

अब मई 2023 तक बनेगा गोरखपुर-वाराणसी मार्ग

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर से वाराणसी फोरलेन का निर्माण पूरा होने में अभी मई 2023 तक का समय लग जाएगा। वहीं, इस मार्ग पर दोहरीघाट में निर्माणाधीन 11 किमी लंबे बाईपास और घाघरा नदी पर 1.3 किमी पुल का काम दिसंबर 2023 तक पूरा हो पाएगा।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि गोरखपुर से सिलीगुड़ी तक 520 किमी के ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। वहीं, गोरखपुर-शामली ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के लिए डीपीआर बनाने का काम आखिरी चरण में है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 41 हजार करोड़ रुपये की लागत से 41 रिंग रोड और बाईपास को स्वीकृति दी गई है। अलीगढ़, मिर्जापुर, झांसी, मुरादाबाद तथा बरेली के रिंगरोड का काम पूरा हो गया है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे और गंगा एक्सप्रेस वे की कनेक्टिविटी और मेरठ-बुलन्दशहर मार्ग पर 300 करोड़ की लागत से 8 किमी का स्पर बनेगा। गाजीपुर-बलिया होते हुए मांझी घाट तक 5320 करोड़ की लागत से 134 किमी फोरलेन ग्रीन फील्ड लेन एक्सप्रेस वे को पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से जोड़ने की स्वीकृति दे दी गई है।

गोरखपुर-सिलीगुड़ी ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का काम जल्द शुरू होगा

11 किमी लंबा दोहरीघाट में बाईपास बनने में लगेगा दिसंबर तक का वक्त

अप्रैल में लखनऊ-वाराणसी फोरलेन तो मई में प्रयागराज-कानपुर सिक्सलेन बन जाएगा : केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रयागराज से कानपुर तक 2107 करोड़ की लागत से 145 किमी सिक्सलेन मार्ग का निर्माण मई 2023 में हो जाएगा।

वहीं, दिल्ली से डीएनडी, फरीदाबाद, बल्लभगढ़ बाईपास और जेवर एयरपोर्ट तक 3000 करोड़ की लागत से 32 किमी सिक्सलेन रोड का निर्माण शीघ्र हो जाएगा। 107 किमी लंबे रायबरेली, जगदीशपुर, अयोध्या फोरलेन का निर्माण 2600 करोड़ की लागत से जुलाई 2023 तक हो जाएगा।

लखनऊ से वाराणसी फोरलेन सड़क का निर्माण लगभग 8850 करोड़ की लागत से हो रहा है। इसकी लंबाई 268 किमी है। यह काम अप्रैल 2023 तक पूरा हो जाएगा। प्रयागराज ग्रीन फील्ड इनर रिंग रोड 7000 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। साथ-साथ रायबरेली, प्रयागराज 2400 करोड़ की लागत से 105 किमी की फोरलेन चौड़ीकरण मार्ग का निर्माण अप्रैल 2023 में पूरा हो जाएगा। प्रयागराज-वाराणसी-गोरखपुर सिक्सलेन सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है।

234 किमी लंबे प्रयागराज-आजमगढ़-गोरखपुर फोरलेन का निर्माण 10 हजार करोड़ की लागत से हो रहा है। प्रयागराज से गोंडा तक 234 किमी फोरलेन, प्रयागराज से प्रतापगढ़ तक 53 किमी, प्रतापगढ़ से सुल्तानपुर तक 44 किमी, सुल्तानपुर, अयोध्या, गोंडा तक 2000 करोड़ की लागत से 97 किमी की फोरलेन सड़क का डीपीआर मई 2023 तक पूर्ण हो जाएगा।

लखनऊ-बलिया मार्ग, हरदोई खुटार में 500 करोड़ की लागत से 207 किमी मार्ग फरवरी 2025 तक पूरा हो जाएगा। बाराबंकी से नेपाल सीमा तक 3000 करोड़ की लागत से 150 किमी सड़क का निर्माण दिसंबर 2023 तक पूरा हो जाएगा।

प्रदेश में 10 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे और इंडस्ट्रीयल कारिडोर एक लाख 38 हजार करोड़ की लागत से बनाया जाएगा। भारत माला फेज-2 योजना का कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

जल्द शुरू होगा वाराणसी-हावड़ा सिक्सलेन का निर्माण

केंद्रीय मंत्री के मुताबिक वाराणसी-हावड़ा 620 किमी सिक्सलेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे का कार्य शीघ्र शुरू हो जाएगा। साथ ही वाराणसी, औरंगाबाद एकोनामी कारिडोर को स्वीकृति दी गई है, जो वाराणसी और बिहार से गुजरेगा। गाजीपुर, बलिया, मांझीघाट लिंक एक्सप्रेस वे को पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से जोड़ने के लिए 5311 करोड़ की लागत से 135 किमी फोरलेन ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेस वे बनाया जा रहा है। कानपुर से लखनऊ की सड़क पर काम चल रहा है। यह मई 2024 में पूरी हो जाएगी। इटावा से कोटा तक 15 हजार करोड़ की लागत से चंबल एक्सप्रेसवे के लिए टेंडर हो चुका है।

विरासत स्थलों को बुनियादी ढांचे से जोड़ा जा रहा : सीएम

बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर से लेकर उनके बचपन की स्थली कपिलवस्तु तक बनाई जा रही सड़क

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विरासत के स्थलों को बुनियादी ढांचे से जोड़ा जा रहा है। भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर से लेकर उनके बचपन की स्थली कपिलवस्तु और श्रावस्ती को सड़क मार्ग से जोड़ा जा रहा है। इसी तरह जिस मार्ग से माता जानकी प्रभु श्रीराम के साथ अयोध्या गई थीं, उस रामजानकी मार्ग को फोरलेन बनाया जा रहा है।

सीएम योगी सोमवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ सड़क से जुड़ी 18 परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री गडकरी ने विकास को रामायण काल के संबंधों से जोड़ने का अभिनव प्रयोग किया है। अयोध्या छावनी से लेकर सीतामढ़ी, जनकपुर तक फोरलेन की सौगात भुला दिए गए विरासत का संरक्षण और सम्मान है।

सीएम ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा महानगर गोरखपुर आसपास के जिलों समेत बिहार और नेपाल के सीमावर्ती इलाकों तक के लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार का प्रमुख केंद्र है। यहां से बिहार और नेपाल तक को कनेक्टिविटी के लिए नए बाईपास की सौगात मिली है।

ये रहे मौजूद : मत्स्य विकास मंत्री डॉ संजय निषाद, सांसद रविकिशन शुक्ल, डॉ रमापति राम त्रिपाठी, जगदंबिका पाल, कमलेश पासवान, हरीश द्विवेदी, विजय दूबे, रविंदर कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, श्रीराम चौहान, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, ज्ञानेंद्र सिंह, अनिल त्रिपाठी, ऋषि त्रिपाठी, दीपक मिश्र आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संबोधित करते सीएम योगी आदित्यनाथ। संवाद

गडकरी ने की है यूपी की भरपूर मदद

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी और केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री गडकरी ने इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती में यूपी की भरपूर मदद की है। गडकरी ने गत दिनों बलिया में सात हजार करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं की सौगात दी, तो आज गोरखपुर में 10 हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को पूर्ण करने में राज्य सरकार हर संभव सहयोग करने को संकल्पित है।

इन परियोजनाओं का लोकार्पण

- मोहद्दीपुर-जंगल कौड़िया फोरलेन, लंबाई-18 किमी, लागत-323 करोड़
- छावनी-छपिया टू लेन पेव्ड शोल्डर, लंबाई-55 किमी, लागत-281 करोड़
- भौराबारी से लेकर परतावल चौराहे तक सड़क, लंबाई-26 किमी, लागत-94 करोड़
- बंगाली टोला से लेकर बरनहा पूरब पट्टी तक सड़क, लंबाई-19 किमी, लागत-70 करोड़
- कुंई बाजार से लेकर गोला तक सड़क, लंबाई-9 किमी, लागत-38 करोड़
- बभनान में सीसी पेवमेंट का निर्माण, लंबाई-380 मीटर, लागत-4 करोड़

इन सड़कों का शिलान्यास

- सोनौली-जंगल कौड़िया फोरलेन, 80 किमी, लागत 2700 करोड़
- फोरलेन ग्रीनफील्ड गोरखपुर बाईपास, 27 किमी, लागत-2100
- बड़हलगंज-मेहरौना घाट टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, 57 किमी, लागत-974 करोड़
- महराजगंज-निचलौल-दुर्गौबारी टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, 40 किमी, लागत-809 करोड़
- हड़िया चौराहे से करमैनी घाट तक टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, 49 किमी, लागत-593 करोड़
- बलरामपुर बाईपास टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, 21 किमी, लागत 516 करोड़
- शोहरतगढ़-उसका बाजार टू लेन पेव्ड शोल्डर, 33 किमी, लागत-510 करोड़
- सिकरीगंज-बड़हलगंज टू लेन पेव्ड शोल्डर, 39 किमी, लागत 403 करोड़
- छपिया-सिकरीगंज टू लेन पेव्ड शोल्डर, 35 किमी, लागत-307 करोड़
- शोहरतगढ़ बाईपास, 6 किमी, लागत-189 करोड़
- गोरखपुर-आनंदनगर रेलखंड पर रोड ओवरब्रिज का निर्माण लागत 66 करोड़
- सिसैला बाईपास टू लेन पेव्ड शोल्डर, लंबाई-3.50 किमी, लागत 62 करोड़